कन्हिया दीं दुखियो के सहायक तुम कहाते हो

कन्हिया दीं दुखियो के सहायक तुम कहाते हो,
दुखी हु दीं हु मैं भी मुझे फिर क्यों बुलाते हो,
कन्हिया दीं दुखियो के सहायक तुम कहाते हो,

बड़ाई सुन के रहमत की तुम्हारे दर पे आया हु,
रेहम की भीख दो दाता मैं गर्दिश का सताया हु,
हमेशा आप ही बिगड़ी में आखिर काम आते हो,
कन्हिया दीं दुखियो के सहायक तुम कहाते हो,

इनायत की नजर कर करके भ्लाये टाल दो बाबा,
ख़ुशी मेरी भी झोली में जरा सी डाल दो दाता,
जहां की महिमा गरीबो पे लुटाते हो
कन्हिया दीं दुखियो के सहायक तुम कहाते हो,

मैं जग से हार कर आया तु हारे का सहारा है,
तुम्हारे बिन नही जग में कही मेरा गुजारा है,
लगा कर अपने चरणों में तरश बे कस पे खाते हो,
कन्हिया दीं दुखियो के सहायक तुम कहाते हो,

बड़ी बे दर्द है दुनिया भरोसा क्या करू इस पर ,
जहां दिल भेट में आया वही से आ रहे है पत्थर,
घजे सिंह प्यार का रिश्ता बस तुम ही निभाते हो,
कन्हिया दीं दुखियो के सहायक तुम कहाते हो,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16028/title/kanhiyan-deen-dukhiyo-ke-sahayak-tum-kahaate-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |